SET-2

Series Q3SPR

प्रश्न-पत्र कोड **29/3/2**

रोल नं. | | | | | | | | |

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

[]

नोट

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं।

(II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।

(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **13** प्रश्न हैं।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

*निर्धारित समय : **3** घण्टे* *अधिकतम अंक : **80***

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

*(i) इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या **13** है।*

*(ii) इस प्रश्न-पत्र में **तीन** खण्ड हैं – **खण्ड क, ख** और **ग**।*

(iii) तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(iv) दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(v) यथासंभव सभी खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।

खण्ड क

(अपठित बोध)

1. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *8*

ऐसी तेज़ होती बारिश में
तकरीबन पच्चीस सालों के बाद वे मिलेंगे
यह हैरत होती है सोचकर !
वे मिले मुझे एक दवाई की दुकान पर
बारिश की बौछारों से बचते हुए
बरसों देखे गए उस चेहरे को
भूलना असंभव था !
मैं अपने इलाक़े के उस
डाकिए को याद कर रहा था
जो उस समय तकरीबन चालीस-पैंतालीस का
रहा होगा
प्राय: रोज ही आते थे मेरी डाक लेकर
सुस्ताते थे हमारी बैठक में
माँ उन्हें चाय-पानी के लिए पूछती थी
उनके झुर्रियों से भर रहे
इन्हीं हाथों ने
हजारों चिट्ठियाँ, पत्रिकाएँ, किताबें, मनीऑर्डर ....
मेरे घर पहुँचाए थे कभी !
अब तो कोई चिट्ठी नहीं आती !
इलाक़े का डाकिया कौन है
बरसों से नहीं जान पाया।
हमने बारिश के बीच
एक छोटी-सी झोपड़ी में साथ चाय पी
उन्होंने अपनी नौकरी के दिनों
और नोनीहाट के बहुत से लोगों को याद किया
और भर आई आँखों को
बार-बार पोंछते रहे
चाय पीते हुए उन्होंने फिर कहा कि
आम के मौसम में आपका इंतजार रहेगा !
उन्होंने मेरे हाथों पर अपना हाथ रखा
और जाने की इजाज़त चाही।

(i) डाकिए का अपनी भर आई आँखों को बार-बार पोंछना दर्शाता है : *1*

(A) निराशा और आक्रोश को

(B) अंदरूनी पीड़ा और कसक को

(C) दयनीय स्थिति को

(D) भय और संकोच को

(ii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कर लिखिए : *1*

कथन : डाकिया स्वयं को अकेला और विस्मृत महसूस करता है।

कारण : आज के समय में संबंधों की गरमाहट और मानवीय संवेदनाएँ लुप्त होती जा रही हैं।

विकल्प :

(A) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।

(B) कारण सही है, किंतु कथन ग़लत है।

(C) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या ***नहीं*** करता है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iii) डाकिए के प्रति कवि का दृष्टिकोण कैसा है ? *1*

(A) उपेक्षापूर्ण

(B) उदासीन

(C) संवेदनशील

(D) आलोचनात्मक

(iv) "अब तो कोई चिट्ठी नहीं आती, इलाके का डाकिया कौन है, बरसों से नहीं जान पाया।" – पंक्ति के माध्यम से कवि ने किस सामाजिक परिवर्तन की ओर संकेत किया है ? *1*

(v) 'तकनीकी विकास ने मानवीय रिश्तों को प्रभावित किया है।' – कविता के संदर्भ में इस पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए। *2*

(vi) कविता की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए। *2*

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *10*

भारत में इंटरनेट के उपयोग और तकनीक को अपनाने की दर तेज़ी से बढ़ रही है। ताजा आँकड़ों के अनुसार देश में 90 करोड़ से अधिक लोग इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। इससे भारत अब दुनिया के सबसे बड़े ऑनलाइन बाज़ारों में आ चुका है किंतु तेज़ी से बढ़ते डिजिटलीकरण के साथ बड़ा साइबर अपराध का खतरा भी जुड़ा है। आज साइबर अपराध सिर्फ़ अमीरों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि गाँवों और शहरों में रहने वाले आम लोग भी इसके शिकार हो रहे हैं। इसलिए सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के लिए सतर्क रहना और साइबर सुरक्षा को प्राथमिकता देना ज़रूरी है।

साइबर हमले पहले से अधिक जटिल हो गए हैं। जागरूकता का स्तर भी अपेक्षाकृत कम है। अधिकांश लोगों को साइबर सुरक्षा के बुनियादी नियमों की जानकारी नहीं होती। इससे वे असुरक्षित ऑनलाइन तरीके अपनाते हैं और उनका संवेदनशील डेटा खतरे में पड़ जाता है। एक और महत्त्वपूर्ण पहलू यह है कि साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण के पारंपरिक तरीके उबाऊ और कठिन माने जाते हैं। अत: आज के डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा को रोचक और प्रभावी तरीके से सिखाने की ज़रूरत है। उम्र और भाषा के हिसाब से तैयार साइबर सुरक्षा से जुड़े नुस्खे दिए जाने चाहिए। भारत जैसे बहुभाषी देश में स्थानीय और सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक साइबर सुरक्षा सामग्री की कमी बड़ी चुनौती है।

साइबर अपराध के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के लिए 'साइबरपीस कॉर्प्स' जैसे प्रयास महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यह पहल साइबर सुरक्षा से जुड़े स्वयंसेवकों का एक नेटवर्क तैयार करती है जो जमीनी स्तर तक जाकर लोगों को जागरूक करने और साइबर सुरक्षा में सहयोग देने का काम करते हैं। साइबर अपराध के पीड़ितों की मदद करते हैं।

लोगों को पता होना चाहिए कि साइबर अपराध होने पर कहाँ शिकायत करें और कहाँ अपनी समस्याएँ उठाएँ तथा मौजूदा आईटी और डेटा सुरक्षा कानूनों के तहत उन्हें कौन-से अधिकार प्राप्त हैं। यह प्रयास सामूहिक रूप से पूरे समाज को डिजिटल रूप से सशक्त कर सकता है।

(i) गद्यांश के संदर्भ में डिजिटल रूप से सशक्त होने का आशय है : *1*

(A) ऑनलाइन सेवाओं का अधिकाधिक विस्तार

(B) इंटरनेट की बेहतर और मज़बूत सुविधा

(C) साइबर अपराध के प्रति अनभिज्ञता

(D) इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग के प्रति सतर्कता

(ii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कर लिखिए : *1*

कथन : भारत विश्व के सबसे बड़े ऑनलाइन बाज़ारों में से एक है।

कारण : साइबर अपराध के प्रति लोग सचेत हो गए हैं।

विकल्प :

(A) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।

(B) कारण सही है, किंतु कथन ग़लत है।

(C) कथन और कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या ***नहीं*** करता है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iii) गद्यांश के आधार पर सही विकल्प/विकल्पों का चयन कर लिखिए : *1*

I. साइबर अपराध के प्रति लोगों में चेतना आई है।

II. साइबर अपराध की घटनाएँ शहरी उच्चवर्गीय लोगों को तेज़ी से अपनी चपेट में ले रही हैं।

III. साइबर सुरक्षा नियमों की जानकारी और अनुपालन से साइबर अपराध की घटनाओं को रोका जा सकता है।

विकल्प :

(A) I, II और III

(B) केवल I और III

(C) केवल II और III

(D) केवल III

(iv) साइबर जागरूकता से क्या अभिप्राय है ? *1*

(v) साइबर अपराध से निपटने के लिए भारत के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती क्या है ? इसे कैसे दूर किया जा सकता है ? *2*

(vi) "सतर्क और जागरूक रहकर साइबर अपराध की घटनाओं पर नियंत्रण पाया जा सकता है।" गद्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए। *2*

(vii) 'साइबरपीस कॉर्प्स' क्या है ? साइबर जागरूकता की दिशा में इसका क्या योगदान है ? *2*

खण्ड ख

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

3. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *5*

(i) अगर कहीं मैं तोता होता/होती

(ii) बाज़ार का आकर्षण

(iii) भीड़ भरी रेल में एक दिन

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(i) "कविता में शब्दों के पर्याय नहीं होते।" – सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ii) "नाटक मंचन में संवाद-योजना और समय का बंधन एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।" टिप्पणी कीजिए।

(iii) 'द्वंद्व' से क्या अभिप्राय है ? कहानी को आगे बढ़ाने तथा उसे रोचक और प्रभावी बनाने में द्वंद्व की क्या भूमिका होती है ? स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(i) हमारे दैनिक जीवन में अपनी उपयोगिता और तमाम विशेषताओं के बावजूद मुद्रित माध्यमों की अपनी सीमा है। सोदाहरण पुष्टि कीजिए।

(ii) विशेष लेखन के लिए एक विशेष प्रकार की भाषा, तकनीकी शब्दावली और शैली की आवश्यकता होती है। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(iii) "समाचार-पत्रों में संपादक के नाम पत्र जनमत को प्रतिबिंबित करने वाला एक महत्त्वपूर्ण स्तंभ है।" टिप्पणी कीजिए।

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

(i) टीवी पत्रकारिता के क्षेत्र में 'ब्रेकिंग न्यूज़' से क्या अभिप्राय है ? (शब्द सीमा लगभग 20 शब्द) *1*

(ii) पत्रकारीय लेखन का तात्पर्य स्पष्ट करते हुए लिखिए कि यह सृजनात्मक लेखन से किन रूपों में भिन्न है ? कोई एक बिंदु लिखिए। (शब्द सीमा लगभग 40 शब्द) *2*

(iii) 'विशेष रिपोर्ट' से आप क्या समझते हैं ? समाचार-पत्र-पत्रिकाओं में इसका क्या महत्त्व है ? (शब्द सीमा लगभग 40 शब्द) *2*

खण्ड ग

(पाठ्य-पुस्तकों अंतरा तथा अंतराल पर आधारित प्रश्न)

7. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(i) "व्यक्ति और समाज का संबंध अन्योन्याश्रित है।" – 'यह दीप अकेला' कविता के आधार पर युक्तियुक्त उत्तर लिखिए।

(ii) आधुनिक मनुष्य अब प्रकृति के सौंदर्य को महसूस करने और उसके संकेतों को समझने के प्रति उदासीन है। 'वसंत आया' कविता के आधार पर इस उदासीनता का कारण स्पष्ट कीजिए।

(iii) 'कवित्त' के आधार पर घनानंद के प्रेम की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

8. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी ***एक*** काव्यांश की लगभग 100 शब्दों में सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

(i) सपनेहुँ दोसक लेसु न काहू। मोर अभाग उदधि अवगाहू॥
बिनु समुझें निज अघ परिपाकू। जारिउँ जायँ जननि कहि काकू॥
हृदयँ हेरि हारेउँ सब ओरा। एकहि भाँति भलेंहि भल मोरा॥
गुर गोसाइँ साहिब सिय रामू। लागत मोहि नीक परिनामू॥

अथवा

(ii) हो गया ब्याह, आत्मीय स्वजन,
कोई थे नहीं, न आमंत्रण
था भेजा गया, विवाह-राग
भर रहा न घर निशि-दिवस जाग;
प्रिय मौन एक संगीत भरा
नव जीवन के स्वर पर उतरा
माँ की कुल शिक्षा मैंने दी,
पुष्प-सेज तेरी स्वयं रची,
सोचा मन में, "वह शकुंतला,
पर पाठ अन्य यह, अन्य कला।"

9. निम्नलिखित पठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कर लिखिए : *5×1=5*

पूस जाड़ थरथर तन काँपा। सुरुज जड़ाइ लंक दिसि तापा ॥
बिरह बाढ़ि भा दारुन सीऊ। कँपि कँपि मरौं लेहि हरि जीऊ ॥
कंत कहाँ हौं लागौं हियरै। पंथ अपार सूझ नहिं नियरें ॥
सौर सुपेती आवै जूड़ी। जानहुँ सेज हिवंचल बूढ़ी ॥
चकई निसि बिछुरैं दिन मिला। हौं निसि बासर बिरह कोकिला ॥
रैनि अकेलि साथ नहिं सखी। कैसें जिऔं बिछोही पँखी ॥
बिरह सचान भवैं तन चाँड़ा। जीयत खाइ मुएँ नहिं छाँड़ा ॥
रकत ढरा माँसू गरा, हाड़ भए सब संख।
धनि सारस होइ ररि मुई, आइ समेटहु पंख ॥

(i) नायिका की विरह-व्यथा के संबंध में सही विकल्प/विकल्पों का चयन कर लिखिए :

I. नायिका विरह रूपी अग्नि में दिन-रात जलती रहती है।

II. उसके शरीर का सारा रक्त आँसू बनकर बह रहा है।

III. वह पक्षी बनकर अपने पति के पास उड़ जाना चाहती है।

विकल्प :

(A) I, II और III

(B) केवल II

(C) केवल I और II

(D) केवल II और III

(ii) कवि ने विरहिणी नायिका की विरह की स्थिति की तुलना किससे की है ?

(A) कोकिला

(B) बाज़

(C) चकवी

(D) मोरनी

(iii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कर लिखिए :

कथन : नायिका पति के वियोग में अत्यंत कमजोर हो गई है।

कारण : विरह की इस घड़ी में वह नितांत अकेली है।

विकल्प :

(A) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।

(B) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।

(C) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या ***नहीं*** करता है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iv) कविता में किसकी विरह व्यथा का वर्णन है ?

(A) पद्मावती (B) चकवी

(C) नागमती (D) सारस

(v) पौष मास में रानी नागमती की विरह वेदना और भी अधिक क्यों बढ़ जाती है ?

(A) सूरज के दक्षिण दिशा में छिप जाने के कारण

(B) राजा रत्नसेन की अनुपस्थिति के कारण

(C) भवन में अकेले रहने के कारण

(D) सौर-सुपेती के हिवंचल हो जाने के कारण

10. निम्नलिखित पठित गद्यांशों में से किसी ***एक*** गद्यांश की लगभग 100 शब्दों में सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

(i) अगले दिन मैंने कुत्तों के एक बड़े जुलूस को देखा जो कभी हँसते-गाते थे और कभी विरोध में चीखते-चिल्लाते थे। उनकी बड़ी-बड़ी लाल जीभें निकली हुई थीं, पर सब दुम दबाए थे। कुत्तों का यह जुलूस शेर के मुँह की तरफ़ बढ़ रहा था। मैंने चीखकर कुत्तों को रोकना चाहा, पर वे नहीं रुके और उन्होंने मेरी बात अनसुनी कर दी। वे सीधे शेर के मुँह में चले गए। कुछ दिनों के बाद मैंने सुना कि शेर अहिंसा और सह-अस्तित्ववाद का बड़ा ज़बरदस्त समर्थक है इसलिए जंगली जानवरों का शिकार नहीं करता।

अथवा

(ii) एक दिन बालकों की मंडली जोड़ी गई। जो चौधरी साहब के मकान से परिचित थे, वे अगुआ हुए। मील डेढ़ का सफर तै हुआ। पत्थर के एक बड़े मकान के सामने हम लोग जा खड़े हुए। नीचे का बरामदा खाली था। ऊपर का बरामदा सघन लताओं के जाल से आवृत था। बीच-बीच में खंभे और खुली जगह दिखाई पड़ती थी। उसी ओर देखने के लिए मुझसे कहा गया। कोई दिखाई न पड़ा। सड़क पर कई चक्कर लगे। कुछ देर पीछे एक लड़के ने उँगली से ऊपर की ओर इशारा किया। लता-प्रतान के बीच एक मूर्ति खड़ी दिखाई पड़ी। दोनों कंधों पर बाल बिखरे हुए थे। एक हाथ खंभे पर था। देखते ही देखते यह मूर्ति दृष्टि से ओझल हो गई।

11. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए : *5×1=5*

रस कहाँ है ? ये जो ठिंगने से लेकिन शानदार दरख्त गरमी की भयंकर मार खा-खाकर और भूख-प्यास की निरंतर चोट सह-सहकर भी जी रहे हैं, इन्हें क्या कहूँ ? सिर्फ़ जी ही नहीं रहे हैं, हँस भी रहे हैं। बेहया हैं क्या ? या मस्तमौला हैं ? कभी-कभी जो लोग ऊपर से बेहया दिखते हैं, उनकी जड़ें काफ़ी गहरी, पैठी रहती हैं। ये भी पाषाण की छाती फाड़कर ना जाने किस अतल गह्वर से अपना भोग्य खींच लाते हैं।

(i) गद्यांश में 'ठिंगने' शब्द का प्रयोग किसके संदर्भ में किया गया है ?

(A) मनुष्य के संदर्भ में (B) कुटज के संदर्भ में

(C) पाषाण के संदर्भ में (D) पहाड़ के संदर्भ में

(ii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कर लिखिए :

कथन : ठिंगना वृक्ष सूखी, नीरस धरती से भी अपने लिए जीवन-रस की तलाश करता है।

कारण : मुश्किल परिस्थितियों से गुजरकर निकले हुए लोग अकसर बेहया हो जाते हैं।

विकल्प :

(A) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।

(B) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।

(C) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या ***नहीं*** करता है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iii) गद्यांश में लेखक ने 'पेड़' की किस विशेषता को दर्शाया है ?

(A) सघनता (B) निर्लज्जता

(C) जीवटता (D) स्वार्थपरता

(iv) गद्यांश के आधार पर सही विकल्प/विकल्पों का चयन कर लिखिए :

I. ठिगना वृक्ष विपरीत परिस्थितियों में भी उल्लसित भाव से खड़ा रहता है।

II. ठिगने वृक्ष की जिजीविषा अदम्य है।

III. जलवायु और परिस्थितियाँ वृक्ष के लिए अनुकूल हैं।

विकल्प :

(A) I, II और III (B) केवल I और III

(C) केवल I (D) केवल I और II

(v) लेखक 'पेड़' के किस गुण से प्रभावित है ?

(A) कर्मठता से

(B) दृढ़ता और सहनशीलता से

(C) बेहयापन से

(D) सघनता से

12. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(i) 'संवाद पहुँचाना बहुत ही ज़िम्मेदारीपूर्ण और कठिन कार्य है।' 'संवदिया' पाठ के आधार पर इस कथन के संबंध में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

(ii) 'तीव्र औद्योगीकरण का समाज पर दूरगामी प्रभाव पड़ता है।' 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ के आधार पर इस कथन पर टिप्पणी कीजिए।

(iii) 'बालक बच गया' पाठ के आधार पर लेखक के शिक्षा संबंधी विचारों को स्पष्ट कीजिए।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए : *2×5=10*

(i) 'सूरदास जैसा व्यक्तित्व अवसाद और निराशा में घिरे मनुष्य के लिए प्रेरणास्रोत है।' – 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ के आधार पर इस कथन की पुष्टि करते हुए सूरदास के व्यक्तित्व की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ii) "जल और पर्यावरण संबंधी समस्याएँ 'अपना मालवा – खाऊ-उजाड़ू सभ्यता में' पाठ के केंद्र में हैं।" – पाठ के आधार पर टिप्पणी कीजिए कि इन समस्याओं को दूर करने की दिशा में क्या प्रयास किए जा सकते हैं ?

(iii) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर लेखक के गाँव की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए लिखिए कि आधुनिक समय में ग्रामीण जीवन में क्या बदलाव आया है ?